TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

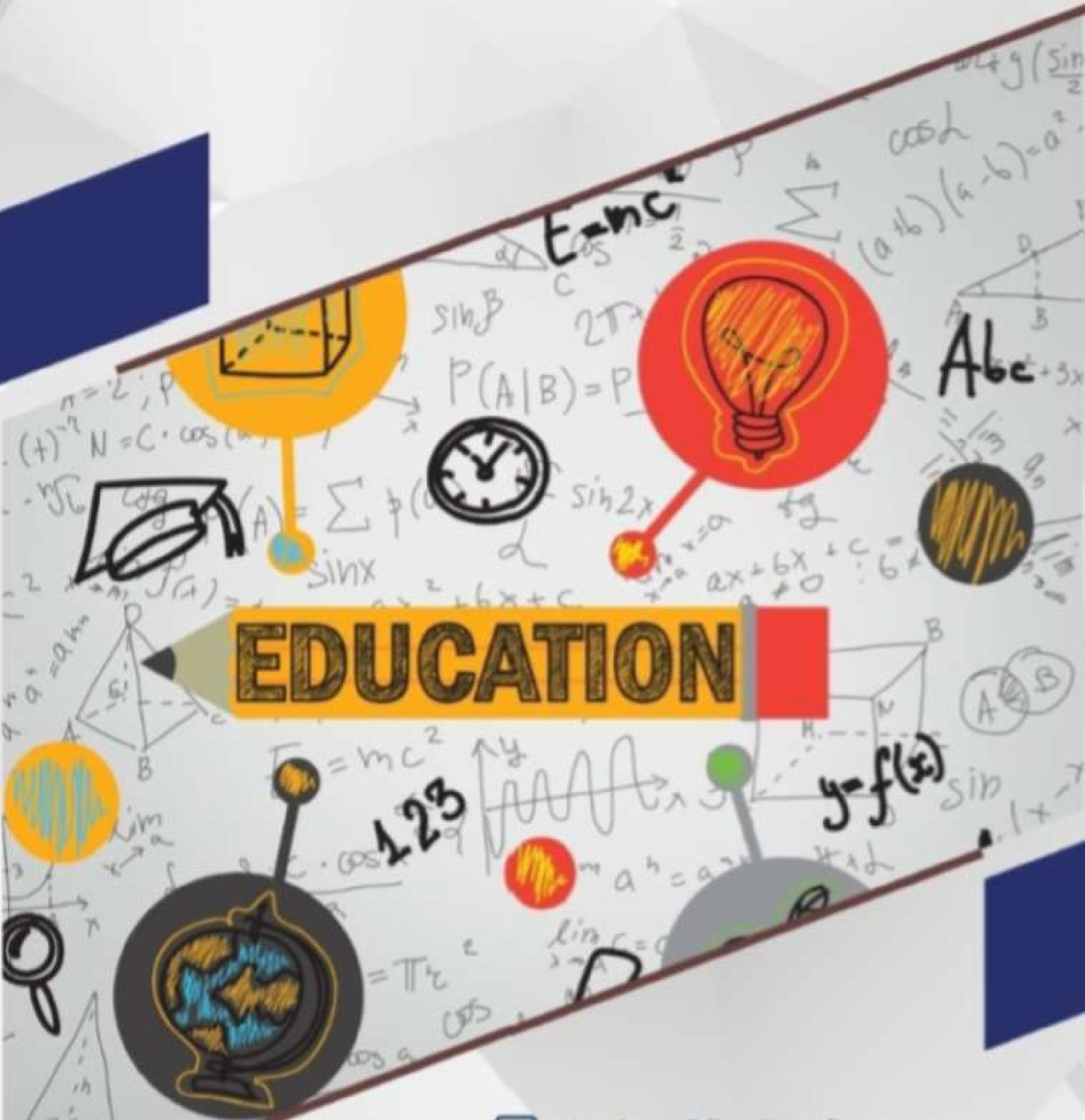

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

29 दिसम्बर 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

उत्सुकता बोरियत को दूर कर देती है इसलिए

उत्सुकता का होना शिक्षा का पहला आधार है।

डोरथी पार्कर

राकेश कुमार

मधु प्रिया

रामानंद सागर का जन्म 29 दिसंबर

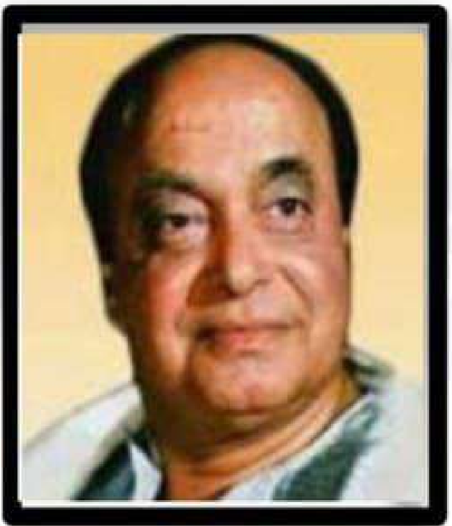

रामानंद सागर का जन्म लाहौर के नजदीक असल गुरु नामक स्थान पर **29** दिसम्बर **1927** को एक धनाढ्य परिवार में हुआ था। उन्हें अपने माता पिता का प्यार नहीं मिला, क्योंकि उन्हें उनकी नानी ने गोद ले लिया था। पहले उनका नाम चंद्रमौली था लेकिन नानी ने उनका नाम बदलकर रामानंद रख दिया। **16** साल की अवस्था में उनकी गद्य कविता श्रीनगर स्थित प्रताप कालेज की मैगजीन में प्रकाशित होने के लिए चुनी गई। युवा रामानंद ने दहेज लेने का विरोध किया जिसके कारण उन्हें घर से बाहर कर दिया गया। इसके साथ ही उनका जीवन संघर्ष आरंभ हो गया। उन्होंने पढ़ाई जारी रखने के लिए ट्रक क्लीनर और चपरासी की नौकरी की। वे दिन में काम करते और रात को पढ़ाई। मेधावी होने के कारण उन्हें पंजाब विश्वविद्यालय से स्वर्ण पदक मिला और फारसी भाषा में निपुणता के लिए उन्हें मुंशी फज़ल के खिताब से नवाजा गया। इसके बाद सागर एक पत्रकार बन गए और जल्द ही वह एक अखबार में समाचार संपादक के पद तक पहुंच गए। इसके साथ ही उनका लेखन कार्य भी चलता रहा। बंटवारे के समय **1947** में वे भारत आ गए। उस समय उनके पास संपत्ति के रूप में महज पांच आने थे। भारत में वह फिल्म क्षेत्र से जुड़े और **1950** में खुद की प्रोडक्शन कंपनी सागर आर्ट्स बनाई जिसकी पहली फिल्म मेहमान थी। वर्ष **1985** में वह छोटे परदे की दुनिया में उतर गए। उनके द्वारा निर्मित सर्वाधिक लोकप्रिय धारावाहिक रामायण ने लोगों के दिलों में उनकी छवि एक आदर्श व्यक्ति के रूप में बना दी। इनकी मुख्य रचनाएँ धारावाहिक- रामायण, कृष्णा, विक्रम बेताल, अलिफ़ लैला, जय गंगा मैया आदि। मुख्य फ़िल्में इंसानियत, कोहिनूर, पैगाम, आँखें, ललकार, चरस, आरज़ू, गीत, बग़ावत आदि।इन्हें पद्मश्री,तथा फ़िल्मफेयर पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ निर्देशक **(**आँखें**),** फ़िल्मफेयर पुरस्कार सर्वश्रेष्ठ लेखक **(**पैग़ाम**)** विशेष योगदान उनके द्वारा निर्मित और निर्देशित धारावाहिक **"**रामायण**"** ने देश में अद्भुत सांस्कृतिक जागरण पैदा किया।

जयंती विशेष 29 दिसम्बर

रामानंद सागर

की जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि

(29 दिसंबर 1917 - 12 दिसंबर 2005)

रामानन्द सागर (29 दिसम्बर 1917 – 12 दिसम्बर 2005) हिन्दी फ़िल्मों के एक निर्देशक थे। दूरदर्शन पर रामायण (टीवी धारावाहिक) और कृष्णा (टीवी धारावाहिक) नामक अति लोकप्रिय धारावाहिक के कारण वे बहुत प्रसिद्ध हुए।

TOB

खेल कॉर्नर

एशेज टेस्ट के पहले दिन में सर्वाधिक विकेट

विकेट	वेन्यू	सीजन
25	मेलबर्न	1901/02
22	द ओवल	1890
20	द ओवल	1882
20	ओल्ड ट्रैफर्ड	1909
20	मेलबर्न	1894/95
20	मेलबर्न	2025/26
19	पर्थ	2025/26

बॉल के लिहाज से एशेज सीरीज के सबसे छोटे टेस्ट

गेंद	जगह	विनर	साल
788	ओल्ड ट्रैफर्ड	इंग्लैंड	1888
792	लॉर्ड्स	ऑस्ट्रेलिया	1888
847	पर्थ	ऑस्ट्रेलिया	2025
852	मेलबर्न	इंग्लैंड	2025
911	सिडनी	ऑस्ट्रेलिया	1895

शिक्षा मंत्रालय
MINISTRY OF
EDUCATION

सत्यमेव जयते

9th Edition

Pariksha Pe
Charcha 2026

9th Edition

परीक्षा पे चर्चा 2026

तनाव मुक्त भारत की ओर एक कदम

कक्षा 6 से 12 तक के छात्र,शिक्षक और अभिभावक हो सकेंगे शामिल ।

छात्रों से संवाद – आत्मविश्वास की उड़ान

भारत सरकार की विशेष पहल

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ
छात्रों से सीधा संवाद
आत्मविश्वास | प्रेरणा | मार्गदर्शन

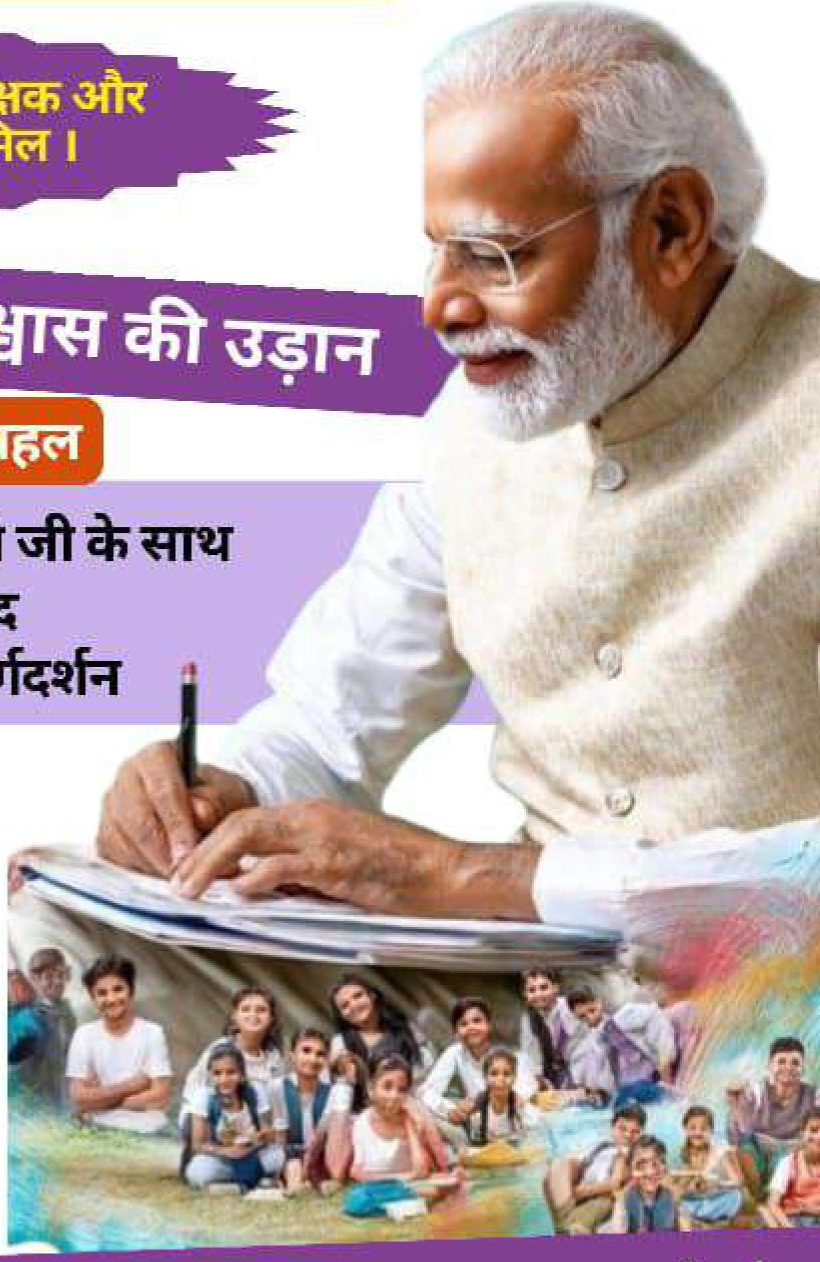

भाग लें और बने

भारत के सबसे बड़े लर्निंग फेस्टिवल का हिस्सा!

रजिस्ट्रेशन प्रारंभ
1ST DEC 2025 - 11TH JAN 2026

Register Now http://innovateindia1.mygov.in/

By
Rizwan Ahmad (ET)
Gopalganj (Bihar)

Teachers Of Bihar-The Change Makers
www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 29.12.2025

शैक्षिक उत्सुकता

शैक्षिक उत्सुकता **(Educational Curiosity)** सीखने की वह स्वाभाविक इच्छा है जो छात्रों को प्रश्न पूछने, जानकारी खोजने और सीखने की प्रक्रिया में गहराई से शामिल होने के लिए प्रेरित करती है, जिससे उनकी समझ, एकाग्रता और शैक्षणिक प्रदर्शन में सुधार होता है; यह बच्चों के विकास के लिए महत्वपूर्ण है और इसे प्रोत्साहित करने से उन्हें चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों से निपटने और समस्याओं को रचनात्मक रूप से हल करने में मदद मिलती है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

NASA का 'Voyager-1' यान धरती से 23 अरब किलोमीटर दूर पहुँच चुका है, जो इंसान द्वारा अंतरिक्ष में भेजी गई सबसे दूर की वस्तु है। इसने ब्रह्मांड की खोज में हमारी सभी सीमाओं को पूरी तरह बदल दिया है।

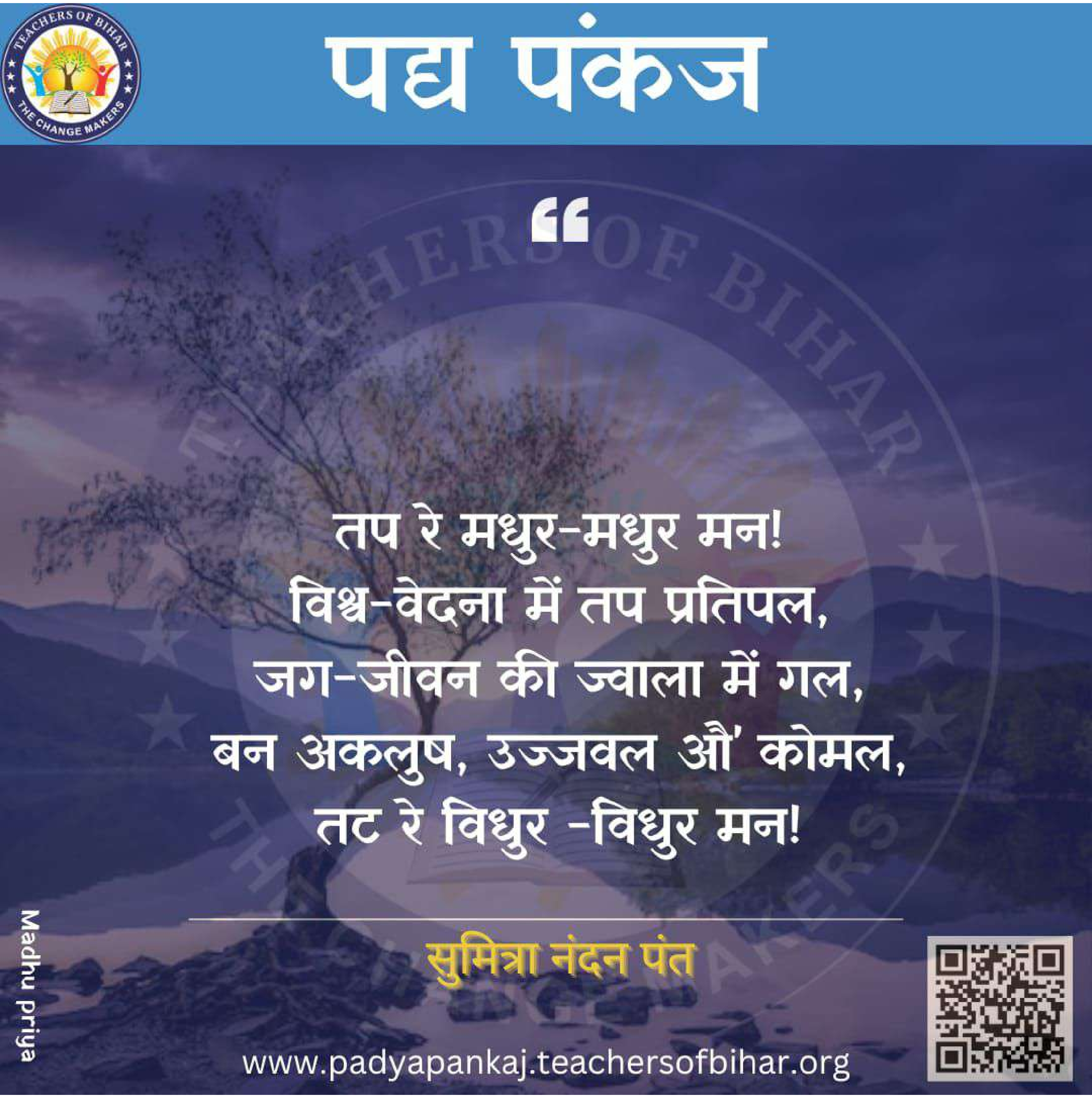
पद्य पंकज
तप रे मधुर-मधुर मन!
विश्व-वेदना में तप प्रतिपल,
जग-जीवन की ज्वाला में गल,
बन अकलुष, उज्जवल औ' कोमल,
तट रे विधुर -विधुर मन!
सुमित्रा नंदन पंत
Madhu priya
www.padyapankaj.teachersofbihar.org

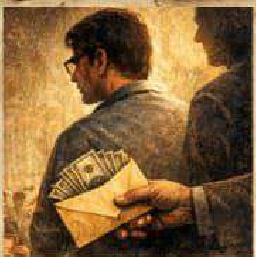

आज शिक्षा के पवित्र आँगन में,
सम्मान के नाम पर सौदेबाज़ी चल रही है।

पहले शिक्षक के कानों में मीठे शब्द डाले जाते हैं—

'आप अद्भुत हैं, आप मिसाल हैं, आप बदलाव हैं'—

और फिर उसी भावुक क्षण में रजिस्ट्रेशन शुल्क के नाम पर उनकी ईमानदार जेब में हाथ डाला जाता है।

पुरस्कार वही होता है जो बिना माँगे मिले, जो बिना कीमत चुकाए आँखें नम कर दे।
पैसे देकर पाया गया सम्मान सम्मान नहीं— एक सुंदर ढंग से किया गया धोखा होता है।
अगर शिक्षा बिकने लगे और सम्मान खरीदा जाने लगे, तो समझ लीजिए हम ज्ञान नहीं, भ्रम की पीढ़ी तैयार कर रहे हैं।

अब समय है— शिक्षक चुप न रहें।
क्योंकि शिक्षक अगर चुप रहा, तो आने वाली पीढ़ियाँ सच और झूठ का फर्क भी किससे सीखेंगी?

"सम्मान बिकेगा नहीं, शिक्षक झुकेगा नहीं।"

सच के साथ खड़ा है—टीचर्स ऑफ बिहार

www.teachersofbihar.org

#NoPaidAwards

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
व्योमेश चन्द्र बनर्जी
जन्म- 29 दिसंबर 1844
मृत्यु- 21 जुलाई 1906
/teachersofbihar
MADHU PRIYA

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
फिल्म निर्देशक
रामानंद सागर
जयंती पर सादर नमन।
29 दिसंबर 1917-12 दिसंबर 2005
Madhu priya
www.teachersofbihar.org